हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 158 देहरादून, सोमवार, 12 दिसंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

पुलिस खेल महाकुंभ की सभी तैयारियां हुई पूरी : अशोक कुमार, डीजीपी 4

प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशन में निखर रहा है देवभूमि उत्तराखंड : सतपाल महाराज

आगामी चारधाम यात्रा चुनौती पूर्ण होगी : महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गुप्तकाशी (रुद्रप्रयाग), 11 दिसंबर , आगामी चारधाम यात्रा चुनौती पूर्ण होगी। इसलिए चारधाम आने वाले उम्रदराज तीर्थ यात्रियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्वास्थ्य निदेशालय व आम जनमानस से सुझाव मांगे जा रहे हैं।उक्त बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रकल्प ₹उत्तराँचल देवीय आपदा पीड़ित सहायता समिति₹ द्वारा श्री बाबा केदार बालक छात्रावास गुप्तकाशी के वार्षिकोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग करते हुए प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने अपने संबोधन में कही।

प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने ₹उत्तंराचल देवीय आपदा पीड़ित सहायता समिति₹ द्वारा संचालित श्री बाबा केदार बालक छात्रावास, गुप्तकाशी के वार्षिकोत्सव में प्रतिभाग कर रहे छात्र-छात्राओं, जनप्रतिनिधियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश के नौनिहालों और समाज को संस्कारवान बनाने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक का हमेशा अग्रणी रहा है। छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं का प्रदर्शन काबिले तारीफ है।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि आगामी चारधाम यात्रा चुनौती पूर्ण होगी। इसलिए चार धाम आने वाले उम्र दराज तीर्थ यात्रियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्वास्थ्य निदेशालय व आम जनमानस से सुझाव मांगें जा रहे है! उन्होंने कहा कि इस बार चार धाम में 46 लाख 24 हजार 392 तीर्थ यात्रियों के आने से क्षेत्र की आर्थिकी सुदृढ़ हुई है। पर्यटन एवं धर्मस्व मंत्री महाराज ने कहा कि प्रदेश सरकार शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसलिए प्रदेश सरकार ने 12 गढ़वाल व 12 कुमाऊँ के तीर्थस्थलों को शैव, वैष्णों और शाक्त सर्किटों के रूप में विकसित किया है और नागराजा सर्किट को विकसित करने की कवायद पूरी हो चुकी है।

गुप्तकाशी स्थित श्री बाबा केदार बालक छात्रावास का वार्षिकोत्सव

उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के समय देश की आर्थिकी बुरी तरह प्रभावित हो गयी थी। मगर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुशल नेतृत्व का परिचय देते हुए ₹मेक इन इंडिया₹ के तहत देश में ही वैक्सीन बनाने का कार्य शुरू करवाया तथा आज हर देशवासी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों की तारीफ कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। रेलवे परियोजना के निर्माण के कारण प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा देने के लिए केंद्रीय रेल मंत्री का श्रीनगर दौरा प्रस्तावित हो चुका है। शीघ्र ही रेल परियोजना से प्रभावितों को उचित मुआवजा देने की सामूहिक पहल शुरू की जाएगी उन्होंने कहा कि भगवान भावनाओं के वशीभूत होता है इसलिए भारत का हर नागरिक यदि आध्यात्म के मार्ग पर अग्रसर होने की पहल करता है तो भारत पुनः विश्व गुरु बन सकता है।

महाराज ने कहा कि कालीमठ घाटी के विभिन्न गावों के जनप्रतिनिधियों द्वारा उन्हे क्षेत्र में फैली विभिन्न समस्याओं से भी रूबरू करवाया गया है, जिनके निराकरण के लिए शीघ्र प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने छात्रावास में अध्ययन कर रहे नौनिहालों के सर्वांगीण विकास के लिए 2 लाख 51 हजार रुपये धनराशि देने की भी घोषणा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केदारनाथ विधायक शैलारानी रावत ने आरएसएस के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आरएसएस की बदौलत आपदा प्रभावित असहाय व गरीब नौनिहालों को आसरा मिला है। उन्होने कहा कि आपदा के बाद केदारघाटी सहित अन्य तीर्थ व पर्यटकस्थलों की आर्थिकी सुदृढ करने और कार्तिक स्वामी पर्यटन सर्किट को विकसित करने में सतपाल महाराज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज से मदमहेश्वर व तुंगनाथ धाम की यात्रा को केदारनाथ धाम की तर्ज पर संचालित करने की भी मांग की और बारही मंदिर सहित केदारनाथ विधानसभा में आपदा से क्षतिग्रस्त मंदिरों के पुनर्निर्माण, तीर्थस्थलों के सौंदर्यकरण की भी मांग की।

दैवीय आपदा पीड़ित सहायता समिति के अध्यक्ष डी0एस0 पुजारी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने सिद्धपीठ कालीमठ में पूजा अर्चना कर प्रदेश के खुशहाली की कामना की तथा उनके कालीमठ घाटी आगमन पर जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं के निराकरण के लिए ज्ञापन दिए।

इस मौके पर विभाग प्रचारक शरद, जिला कार्यवाहक जगदीश जग्गी, विभाग कार्यवाहक पहलाद पुष्पवाण, कोषाध्यक्ष मदन सिंह नेगी, सचिव लक्ष्मण सिंह बिष्ट, क्षेत्र पंचायत प्रमुख स्वेता पांडेय, बीकेटीसी के सदस्य श्रीनिवास पोस्ती, केदारनाथ नगर पंचायत अध्यक्ष देव प्रकाश सेमवाल, केदारसभा अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कुवरी बर्तवाल, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सत्येंद्र बर्तवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष गुप्तकाशी विनोद देवशाली, भाजपा मंडल अध्यक्ष सतेराखाल गंभीर बिष्ट, गजपाल रावत, अंजना रावत, राय सिंह राणा, योगेंद्र नेगी, विजयपाल नेगी, जयंती कुर्माचली, प्रकल्प प्रमुख वीरेंद्र सिंह बिष्ट, प्रदीप राणा, आशीष कंडारी सहित विभिन्न क्षेत्रों के जनप्रतिनिधी व भाजपा कार्यकर्ता व नौनिहाल मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन अरुण चमोली व तेज प्रकाश त्रिवेदी ने संयुक्त रूप से किया।

बकरी को छुड़ाने के प्रयास में चरवाहा गुलदार से भिड़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रानीखेत। डेरे के पास श्वानों की निगरानी में रखे गए भेड़ बकरियों को शिकार बनाने के फेर में यहां मानव वन्यजीव टकराव हुआ। इस दौरान गुलदार के जबड़े में कैद बकरी को छुड़ाने के प्रयास में चरवाहा गुलदार से भिढ़ गया।

खतरा बढ़ता देख चरवाहे ने शोर मचाया। चौकीदारी में मुस्तैद झबरू श्वान (उच्च हिमालय की वफादार श्वान प्रजाति) मौके पर पहुंचे तो जैसे तैसे जान बची। चरवाहे को उपचार के लिए नागरिक चिकित्सालय लाया गया है। इन दिनों से उच्च हिमालय क्षेत्रों में सर्दी का प्रकोप बढ़ने व बर्फबारी के आसार को देखते हुए भेड़ व बकरी पालक पलायन कर शिवालिक पहाड़ियों का रुख कर लेते हैं। पलायन का यह सिलसिला शुरू हो भी चुका है। चमोली गढ़वाल से भेड़ पालकों की टोली बीती रात अल्मोड़ा मजखाली हाईवे पर

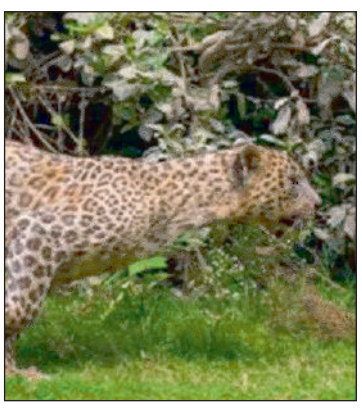

द्वारसौं स्थित अपने पारंपरिक ठिकाने पर ठहर गए। चरवाहा यशपाल सिंह नेगी, डबल सिंह व दल्ली निवासीगण पडेरगांव चमोली (गढ़वाल) ने मिलकर भोजन बनाया। सोने की तैयारी कर ही रहे थे कि कि देर रात अचानक गुलदार ने बकरियों के झुंड पर हमला कर दिया और एक बकरी को उठा ले गया। यशपाल बकरी को छुड़ाने दौड़ा तो शिकार छिनता देख गुलदार चरवाहे पर पर झपट गया। यशपाल ने जान बचाने के लिए संघर्ष किया। चरवाहा यशपाल ने बताया कि इस बीच गुलदार ने कई बार उस पर सीधा हमला किया। खुद को बचाने के साथ ही बकरी छुड़ाते वक्त उसके दाए हाथ पर गुलदार ने पांच बार नुकीले दांत गढ़ा दिए। चरवाहे ने शोर मचाया। मालिक को खतरे में देख झबरू श्वान बचाव को दौड़े चले आए। इससे गुलदार शिकार छोड़ जंगल की ओर भाग गया। सूचना पर द्वारसों चौकी में तैनात वन कर्मी राजेंद्र प्रसाद घटना स्थल पर पहुंचे। निजी वाहन से नागरिक चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चरवाहे का उपचार किया जा रहा है।

समूह-ग की आठ भर्तियों के भविष्य पर इस हफ्ते फैसला

देहरादून। पेपर लीक विवादों से घिरे उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की आठ भर्तियों पर इस सप्ताह फैसला हो सकता है। आयोग की ओर से गठित विशेषज्ञ जांच समिति इस सप्ताह अपनी रिपोर्ट देने जा रही है। 18 अक्तूबर को आयोग के अध्यक्ष जीएस मर्तोलिया की अध्यक्षता में हुई बोर्ड बैठक में तय हुआ था कि आठ भर्तियों में पेपर लीक हुआ या नहीं। कहां कमियां रहीं, जैसे सभी बिंदुओं पर जांच के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाएगा। अक्तूबर में ही आयोग ने पूर्व आईएएस एसएस रावत की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन कर दिया था। समिति को अपनी रिपोर्ट देने के लिए दिसंबर के दूसरे सप्ताह तक का समय दिया गया था। बता दें कि आयोग की आठ भर्तियां ऐसी हैं, जो अभी तक रद्द नहीं की गई हैं। कैबिनेट बैठक में चार भर्तियां रद्द तो हुईं, लेकिन आयोग ने इन्हें रद्द नहीं किया था। बाद में शासन ने भी आयोग को ही अपने स्तर से फैसला लेने को कहा था। जांच समिति में हाईकोर्ट के पूर्व रजिस्ट्रार जनरल वीके माहेश्वरी और आईटीडीए के टास्क फोर्स के मैनेजर संजय माथुर भी सदस्य हैं।

इन भर्तियों के भविष्य पर फैसला : एलटी भर्ती (1431 पद), उत्तराखंड वैयक्तिक सहायक (600 पद), कनिष्ठ सहायक (700 पद), पुलिस रैंकर्स भर्ती (250 पद), वाहन चालक भर्ती (164 पद), कर्मशाला अनुदेशक (157 पद), मत्स्य निरीक्षक भर्ती (26 पद) और मुख्य आरक्षी पुलिस दूरसंचार भर्ती (272 पद)

भूत प्रेत भगाने को ड्रिंक्स से पहले कहा जाता है 'चीयर्स' !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 दिसम्बर , क्या कभी आपने सोचा है कि शराब पीने से पहले लोग चीयर्स बोलकर गिलास को क्यों टकराते हैं? अगर नहीं, तो आइए हम आपको बताते हैं।अक्सर लोग खुशी या गम में शराब का सेवन करते हैं। आजकल तो कोई भी पार्टी या ओकेजन बिना अल्कोहल (alcohol) के पूरा नहीं होता है। जब चार दोस्त मिल जाए तो महफिलें सच जाती है। लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि जब कोई शराब पीने बैठता है, तो इसे पीने से पहले गिलासों को टकराकर चीयर्स (Cheers) क्यों बोला जाता है? अगर नहीं, तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि शराब पीने से पहले चीयर्स क्यों बोला जाता है...

सबसे पहले आपको बताते हैं कि चीयर्स शब्द कहां से निकला। दरअसल, यह एक फ्रांसीसी शब्द chiere से बना है। जिसका मतलब होता है चेहरा या सिर। पहले के समय में चीयर्स बोलना उत्सुकता और प्रोत्साहन का प्रतीक होता था। इस बोलकर लोग अपनी खुशी जाहिर करते और जश्न मनाते थे। इसे बोलने का मतलब होता था कि अब अच्छा समय शुरू हो रहा है। अब आपको बताते हैं कि शराब पीने से पहले

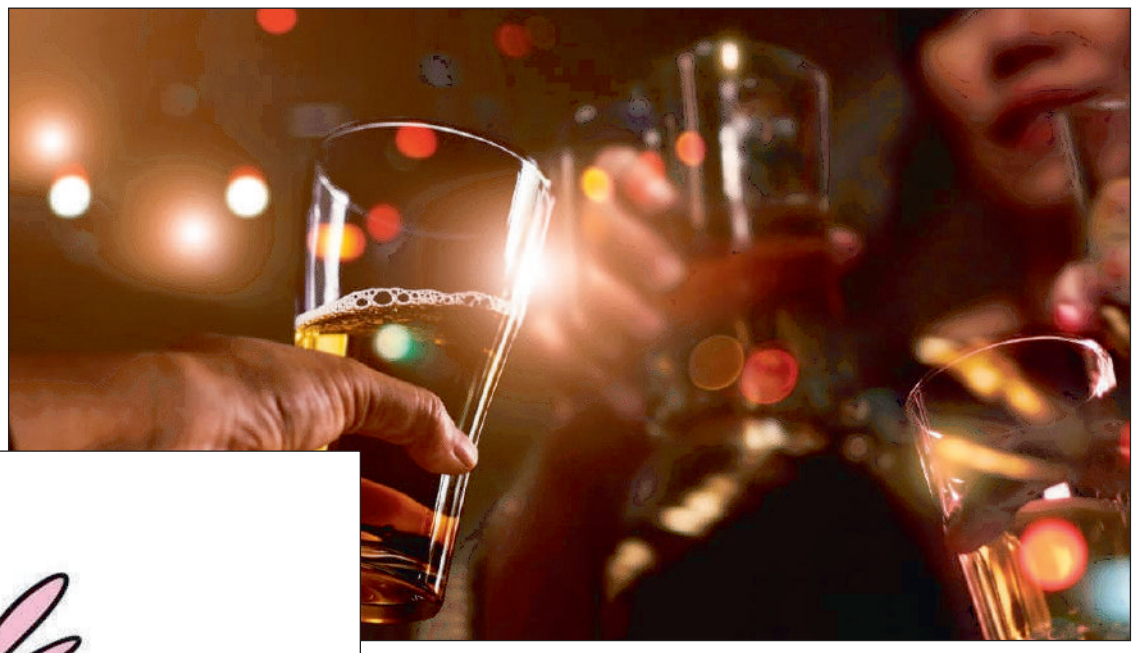

गिलासों को टकराकर चीयर्स बोलकर आवाज क्यों निकाली जाती है। हर मनुष्य के 5 सेंसेस होते हैं। टच यानी कि छूना, टेस्ट यानी कि स्वाद लेना, देखना, सुनना और स्मेल करना यानी की सूंघना। लेकिन जब बात होती है शराब पीने की तो इसमें से एक सेंस काम करना बंद कर देता है, क्योंकि जब भी हम अपनी ड्रिंक बनाते हैं तो उसको टच कर सकते हैं, देख सकते हैं, स्मेल कर सकते हैं, टेस्ट कर सकते हैं, लेकिन उसको सुन नहीं सकते। इसी वजह से ड्रिंक पीने से पहले गिलासों को टकरा के चीयर्स बोलकर साउंड क्रिएट किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि जब यह पांचों इंद्रियां काम करने लगती तो शराब पीने का एहसास और भी ज्यादा मजेदार हो जाता है।

चीयर्स बोलने का एक अन्य कारण भी है। दरअसल, 18 वीं शताब्दी में चीयर्स शब्द का इस्तेमाल खुशी जाहिर करने के लिए होता था। कहा जाता है कि जर्मन रिवाज में अगर गिलास को टकराते हैं तो बुरी शक्तियां या भूत प्रेत दूर रहते हैं। मादक पदार्थ के आस-पास भूत-प्रेत ज्यादा आते है, इसलिए शराब पीने से पहले गिलासों को टकराकर चीयर्स बोला जाता है ताकि एविल या बुरी शक्तियों को दूर रखा जाए।

क्या आप जानते हैं बच्चों में भी बढ़ रही है कोलेस्ट्रॉल की समस्या ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 11 दिसंबर , हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या से केवल वयस्क ही प्रभावित नहीं होते हैं. बच्चों में भी कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ने की समस्या हो सकती है. बचपन में हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या होने पर उम्र बढ़ने के साथ स्वास्थ्य जोखिम भी बढ़ता जाता है. कोलेस्ट्रॉल का लेवल बहुत ज्यादा बढ़ने से हार्ट और शरीर के अन्य अंगों को ब्लड सप्लाई करने वाली आर्टरी में प्लाक जमने लगता है. प्लाक की वजह से आर्टरीज में सिकुड़न आने लगती है जिससे हार्ट तक ब्लड पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पाता, इस वजह से हार्ट प्रॉब्लम्स बढ़ सकती हैं. कोलेस्ट्रॉल की वजह से स्ट्रोक होने की संभावना भी कई गुना बढ़ जाती है.

बच्चों में कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने के तीन मुख्य कारण हेरेडिटी, डाइट और ओबेसिटी हैं. अधिकांश मामलों में, जिन माता-पिता को हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या होती है, उनके बच्चों में भी इसे पाया जाता है. बच्चों को हाई कोलेस्ट्रॉल से बचाने और इसका ट्रीटमेंट करने के लिए लाइफस्टाइल में बदलाव करना होंगे. आइए जानते हैं लाइफस्टाइल में बदलाव कर कैसे कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं

बच्चों में कोलेस्ट्रॉल की जांच एक आसान ब्लड टेस्ट के माध्यम से कर सकते हैं. अगर किसी परिवार में हार्ट डिजीज की फैमिली हिस्ट्री है या बच्चे के माता-पिता में हाई कोलेस्ट्रॉल की शिकायत है तो ऐसे बच्चों का टेस्ट करना जरूरी हो जाता है. ब्लड टेस्ट की रिपोर्ट से ही ये पता लगाया जा सकता है कि बच्चे में कोलेस्ट्रॉल का लेवल कितना है.

बच्चों में कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने के कारण

अनहेल्दी और जंक फूड खाने से बच्चों

में कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ रहा है. इनदिनों बच्चों की फिजिकल एक्टिविटी न के बराबर है. मोबाइल और लैपटॉप पर गेम खेलने के चक्कर में बच्चे घर से बाहर जाना नहीं चाहते. अगर बच्चे का वजन ज्यादा है तब भी उसे हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या हो सकती है. बच्चे के पेरेंट्स यदि हाई कोलेस्ट्रॉल के शिकार हैं तो बच्चे भी इससे प्रभावित हो सकते हैं.

हाई कोलेस्ट्रॉल का उपचार

बच्चों में कोलेस्ट्रॉल का उपचार करने का सबसे अच्छा तरीका है हेल्दी डाइट और एक्सरसाइज को अपनाना. अगर डाइट में बदलाव करने और डेली एक्सरसाइज करने से भी कोई असर न पड़े, तब डॉक्टर की सलाह पर 8 साल से अधिक उम्र के बच्चों को मेडिसिन दी जा सकती है. अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के मुताबिक दो साल और इससे अधिक उम्र के बच्चों में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने के लिए हेल्दी डाइट को अपनाया जा सकता है.

राहत : मानव वन्यजीव संघर्ष में मृत्यु होने पर सरकार देगी 6 लाख रुपये : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में उत्तराखण्ड राज्य वन्यजीव बोर्ड की 18वीं बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदेश में मानव वन्यजीव संघर्ष में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर उनके परिवार को देय अनुग्रह राशि 04 लाख रूपये से बढ़ाकर 06 लाख रूपये दी जायेगी। गंभीर रूप से घायल होने पर अनुग्रह राशि 50 हजार रूपये से बढ़ाकर 01 लाख रूपये दी जायेगी। मानव वन्यजीव संघर्ष में क्षतिपूर्ति के लिए 02 करोड़ रूपये का कॉरपस फण्ड बनाया जायेगा। शिवालिक एलीफेन्ट रिजर्व की पुर्नस्थापना के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया।

राज्य वन्यजीव बोर्ड की बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदेश में जिम कार्बेट ट्रेल की स्थापना की जायेगी। जिम कार्बेट से जुड़े स्थानों को विश्व पर्यटन मानचित्र में लाने के लिए पर्यटन विभाग के सहयोग से एक कार्ययोजना बनाई जायेगी। इसमें जिम कार्बेट से जुड़े विभिन्न स्थानों पर पट्टिका का निर्माण, ट्रैक मार्गों का जीर्णोधार किया जायेगा एवं होम स्टे को बढ़ावा दिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये कार्य चरणबद्ध तरीके से शुरू किये जाएं। राजाजी टाइगर रिजर्व के अन्तर्गत स्थित चौरासी कुटिया का अन्तरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार विकास किया जायेगा। यह क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

पर्यटन विभाग के सहयोग से यह कार्य किया जायेगा। मुख्यमंत्री की घोषणा के क्रम में जन सुविधा एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विधानसभा पुरोला के विकासखण्ड मोरी में धौला से वरी सेवा डोखरी 12.9 किमी मोटर मार्ग एवं दुगड्डा ब्लॉक के पुलिण्डा-तच्छाली-स्यालिंगा 05 किमी मोटर मार्ग का निर्माण किया जायेगा। योग एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रामबाड़ा में संग्रहालय एवं छोटी लिनचोली में चिन्तन स्थल के निर्माण किया जायेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि मानव वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए और प्रभावी प्रयासों की जरूरत है। इसके लिए वन विभाग एवं प्रशासन को सामंजस्य से कार्य करना होगा।

मानव वन्यजीव संघर्ष की घटना की सूचना प्राप्त होते ही संबंधितों को अनुग्रह राशि 15 दिन के अन्दर प्राप्त हो जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि बुग्यालों के संरक्षण की दिशा में भी विशेष ध्यान दिया जाए। बंदरों से फसलों को होने वाली क्षति को रोकने के लिए प्रभावी प्रयासों की जरूरत है, इसके समाधान के लिए एक व्यापक कार्ययोजना बनाई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वनों के संरक्षण एवं मानव वन्य जीव संघर्ष को कम करने के लिए वन विभाग के अधिकारी जन सहयोग भी लें, जन भागीदारी एवं जन सहयोग से अनेक समस्याओं का समाधान हो सकता है। उन्होंने बायो फेंसिंग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये।मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें इकोलॉजी और इकोनॉमी में संतुलन बनाकर आगे बढ़ना है। पर्यावरण संतुलन के साथ ही विकास पर ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए मिशन लाइफ का जो मंत्र दिया है, उनका अनुसरण कर हमें आगे बढ़ना है। जल संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। जलवायु परिवर्तन के शमन की दिशा में हमें प्रभावी प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि आज बैठक में जो निर्णय लिये गये हैं, अगली बैठक में इन निर्णयों पर कार्य प्रगति की पूरा ब्योरा प्रस्तुत किया जाए।वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि जगंलों को बचाने के लिए जन सहयोग बहुत जरूरी है। वनों से लोगों की आजीविका बढ़ाने की दिशा में और प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड वन सम्पदाओं वाला राज्य है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए उत्तराखण्ड की जिम्मेदार और बढ़ जाती है। प्रदेश में पिछले 05 सालों में हिम तेन्दुओं की संख्या 86 से बढ़कर 121 हो गई है।

बैठक में विधायक रेनू बिष्ट, राम सिंह कैड़ा, अलिन नौटियाल, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस.संधु, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक विनोद कुमार सिंघल, मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक उत्तराखण्ड डॉ. समीर सिन्हा, एडीजी वी. मुरूगेशन एवं उत्तराखण्ड राज्य वन्यजीव बोर्ड के अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री धामी ने रुड़की में बाल गुरुकुलम का उद्घाटन किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की 11 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नन्द विहार, रुड़की, हरिद्वार स्थिति जीवनदीप आश्रम में जीवनदीप एकेडमी गुरुकुलम विद्यालय के वार्षिक उत्सव में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने बाल गुरुकुलम का उद्घाटन किया एवं श्री सिद्धाबली हनुमान कुश्ती अखाड़ा के कुश्ती पहलवानों से वार्ता कर उनका हौसला अफजाई किया। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों एवं खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्रों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री धामी ने नगर निगम के स्वच्छता कर्मियों को जैकेट वितरित की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जीवनदीप आश्रम, नन्द विहार से मुख्य मार्ग तक सड़क निर्माण कार्य किए जाने एवं जीवनदीप एकेडमी गुरुकुलम विद्यालय परिसर में हॉल बनाए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने जीवनदीप आश्रम स्थित मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश में खुशहाली कि कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरूकुल आकर यहां छात्र-छात्राओं से मुलाकात करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा शिक्षक किसी भी विद्यार्थी के जीवन को प्रकाश एवं उन्नति से आलोकित करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम हैं। उनके मार्गदर्शन में एक विद्यार्थी ₹अंक से पूर्णांक₹ बनता है। स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि जी महाराज के मार्गदर्शन में जीवनदीप आश्रम अनेकों वर्षों से सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य कर रहा है। जिस प्रकार आश्रम द्वारा सुबह-शाम जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क भोजन कराने का कार्य किया जाता है, वह प्रेरणास्पद कार्य है, साथ ही गुरुकुलम् के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने का पुण्य काम भी किया जा जाता है। उन्होंने कहा स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि जी महाराज जैसे पूज्य संत के मार्गदर्शन में जब गुरूकुलम् के विद्यार्थी जीवन के अन्य क्षेत्रों में जाएंगे तो वे निश्चित रूप से समाज को समृद्ध बनाने की दिशा में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा हमारा देश भारत वर्ष प्राचीनकाल से ही विश्व गुरू रहा है और आज का भारत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पुनः विश्व में अपने उसी स्थान को प्राप्त करने के लिए पूरी शक्ति के साथ हर क्षेत्र में विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू की गई है। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि राज्य में इस नीति को लागू कर दिया गया है। राज्य सरकार भी उत्तराखण्ड के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा नई शिक्षा नीति से स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा दोनों को नए आयाम प्राप्त होंगे। इससे सभी वर्ग के लोगों को समानता के आधार पर शिक्षा प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे तथा स्कूल स्तर पर युवाओं के कौशल विकास में सहायता प्राप्त होगी। नई शिक्षा नीति से शोध एवम अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में आज युवाओं के भविष्य को समृद्ध बनाने के लिए एक विशेष रोड मैप तैयार किया गया है। उस रोडमैप के अनुसार ही राज्य सरकार भी उत्तराखण्ड के युवाओं को प्रत्येक स्तर पर उनके सपने साकार करने में सहायता प्रदान करने का हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा ₹मुख्यमंत्री बालश्रय योजना₹ के माध्यम से राज्य सरकार अनाथ बच्चों को निःशुल्क स्कूली शिक्षा प्रदान करने का काम कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आने वाले समय में रूड़की और दिल्ली की दूरी कम होगी। देहरादून से दिल्ली की दूरी महज दो घंटे में पूरी कर ली जाएगी, वही जनपद हरिद्वार में मेडिकल कॉलेज बन रहा है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत G -20 देशों की अध्यक्षता करने जा रहा है। G -20 देशों के साथ ही अन्य 9 देशों एवं विश्व की कई बड़ी संस्थान अगले साल भारत में आकर यहां की संभावनाओं को खोजेंगे। उन्होंने कहा G - 20 से दो दल उत्तराखंड राज्य में भी आएंगे इस दौरान यहां कई बैठकों का आयोजन किया जाएगा। जिसमे उत्तराखंड के विकास को लेकर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2025 तक उत्तराखण्ड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है।

इस दौरान महामंडलेश्वर योगी यतिन्द्रानंद गिरी जी, पुरुषोत्तम अग्रवाल, विधायक प्रदीप बत्रा, भाजपा जिला अध्यक्ष शोभाराम प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, अतुल सिंह, राकेश बिंदल, डॉ. धर्मेंद्र भारद्वाज, मेयर गौरव गोयल, पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस खेल महाकुंभ की सभी तैयारियां हुई पूरी : अशोक कुमार, डीजीपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के नेतृत्व में 14 से 18 दिसम्बर, 2022 तक 11वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी चैंपियनशिप 2022 का आयोजन पुलिस लाइन, देहरादून में होने जा रहा है। यह पहला मौका होगा जब उत्तराखंड ऑल इंडिया पुलिस तीरंदाजी चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा।

इससे पूर्व उत्तराखंड पुलिस द्वारा ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स, बैडमिंटन, टैनिस, फुटबॉल एवं एथलेटिक्स की सफलतापूर्वक मेजबानी की जा चुकी है।अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी चैंपियनशिप 2022 का उद्घाटन दिनांक 14, दिसम्बर, 2022 को पुलिस लाइन, देहरादून में मुख्यमंत्री, उत्तराखंड पुष्कर सिंह धामी जी द्वारा किया जाएगा। प्रतियोगिता दिनांक 18, दिसम्बर, 2022 को संपन्न होगी।चैंपियनशिप में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय पुलिस संगठनों की 28 टीमें (आन्ध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तिसगढ़, हरियाणा, मेघालय, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडू, झारखण्ड, महाराष्ट्र, मनिपुर, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, नागालैण्ड, गुजरात, उत्तराखण्ड, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआरपीएफ, आरपीएफ, एसएसबी एवं असम राइफल्स) हिस्सा ले रही हैं। 5 दिवसीय चौंपियनशिप (14 से 18 दिसम्बर, 2022) में 334 पुरुष और महिला तीरंदाज तीरंदाजी की विभिन्न श्रेणियों- रिकर्व, कंपाउंड और भारतीय वर्गों एवं रैंकिंग सहित पदक/व्यक्तिगत/टीम और मिश्रित आदि स्पर्धाओं में भाग लेंगे। इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता में कई राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी भी प्रतिभाग कर रहे हैं। टीमों के रहने व खानपान की पूरी व्यवस्था हो चुकी है।अखिल भारतीय पुलिस खेल- अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड (AIPSCB) द्वारा समन्वित किए जाते हैं और विभिन्न खेलों के लिए हर साल आयोजित किये जाते हैं। इन खेलों का इतिहास लगभग 70 साल पुराना है। अखिल भारतीय पुलिस खेलों का पहला संस्करण 1951 में आयोजित किया गया था। तीरंदाजी को वर्ष 2013 से AIPSCB द्वारा वार्षिक पुलिस खेलों की सूची में शामिल किया गया था।

भीड़भाड़ कम करने के लिए लंढौर छावनी में दौड़ेंगी केवल ई-टैक्सियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 11 दिसम्बर , एक नई यातायात प्रबंधन योजना के हिस्से के रूप में, लंढौर छावनी पर्यटक वाहनों को मसूरी के ऊपर लोकप्रिय उपनगर की ओर जाने वाली खड़ी सड़कों पर चलने से रोकने की योजना बना रही है और इसके बजाय आगंतुकों को इलेक्ट्रिक टैक्सी (ई-टैक्सियाँ) लेनी है। ₹पिछले कुछ वर्षों में, क्षेत्र में यातायात में तेजी से वृद्धि हुई है, जबकि सड़कें संकरी और खड़ी हैं, जिसके परिणामस्वरूप अड़चनें और प्रदूषण हैं।

एक बार ई-टैक्सी सेवा चालू हो जाने के बाद, पर्यटक शहर में अपने वाहन पार्क कर सकते हैं और ई-टैक्सी ले सकते हैं। -टैक्सिस,₹ लंढौर छावनी बोर्ड के सीईओ अभिनव सिंह ने कहा, जो इस क्षेत्र का प्रशासन करता है।

छावनी के अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में जाने की योजना बना रहे पर्यटकों को अपने वाहनों को किनक्रेग या गांधी चौक में पार्किंग स्थल पर खड़ा करना होगा, जहां से उन्हें छावनी क्षेत्र में ले जाने के लिए ई-टैक्सी उपलब्ध होगी।

सिंह ने कहा, हमने मसूरी से लंढौर छावनी तक विभिन्न पिक-अप बिंदुओं से समर्पित ई-टैक्सी सेवाएं चलाने के लिए एजेंसियों से रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की है।₹उन्होंने कहा, ₹हमने 'द शून्य अभियान' से भी संपर्क किया है, जिसका उद्देश्य ईवी अपनाने को बढ़ावा देकर वाहनों के उत्सर्जन को कम करने के लिए उपभोक्ताओं और उद्योग को एक साथ लाना है।

यह अभियान धीरे-धीरे लंढौर को वैश्विक बनाने के उद्देश्य से नीति आयोग द्वारा संचालित किया जा रहा है। भारत का पहला 'केवल ईवी-सुलभ हिल स्टेशन'।

उन्होंने यह भी कहा कि छावनी वाहनों की बारी-बारी आवाजाही की अनुमति देने के लिए सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक यातायात योजना लागू करने पर विचार कर रही है। छावनी तक वाहन चलाने के लिए कुल 30 मिनट का समय दिया जाएगा और बाद में क्षेत्र से नीचे जाने वाले वाहनों को 30 मिनट का और समय दिया जाएगा। सिंह ने कहा, ₹छावनी पहले इसे पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर आजमाएगी। अगर यह सफल रहा तो इसे लागू किया जाएगा।

जानिए अपने होम लोन पर पैसे बचाने के टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 दिसम्बर , सात महीने की अवधि में होम लोन पर ब्याज दरों में 2.25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जिससे 20 साल के होम लोन की अवधि बढ़कर लगभग 25 साल हो गई है। जो लोग लंबी अवधि के लिए पात्र नहीं हैं, उनके लिए ईएमआई लगभग 18% बढ़ गई है। जबकि आप अपनी मासिक प्रतिबद्धताओं को कम रखने के लिए बहुत कुछ नहीं कर सकते हैं, नीचे दिए गए सुझावों को खोज कर अपने होम लोन पर पैसे बचाने के कुछ तरीके हैं।

पुनर्वित्तीयन

अपने ऋणदाता से कम दर के लिए पूछना एक अच्छा पहला कदम है। यदि आपने वर्षों में एक अच्छा क्रेडिट स्कोर बनाया है, तो आप बेहतर दर के पात्र हो सकते हैं। अगर आपने एनबीएफसी से कर्ज लिया है तो मुमकिन है कि आपका कर्ज महंगा हो। उस स्थिति में आप किसी अन्य ऋणदाता के साथ पुनर्वित्त की तलाश कर सकते हैं। हालांकि, यह प्रोसेसिंग फीस और अन्य अतिरिक्त लागतों के साथ आता है। लेकिन ब्याज पर बचत आपको लंबे समय में अधिक पैसा बचा सकती है।

अधिक ईएमआई का भुगतान करें

हालांकि आपकी ईएमआई बढ़ाना आसान नहीं हो सकता है, उच्च मासिक भुगतान का विकल्प चुनने का मतलब है कि आपका ऋण तेजी से चुकाया जाता है, और इससे आपको अधिक बचत करने में मदद मिल सकती है। उदाहरण के लिए, अगर आपको अपनी ईएमआई हर साल 5% बढ़ानी है, तो आप अपना 20 साल का लोन 7 साल पहले तक पूरा कर सकते हैं।बीएनपी पारिबा द्वारा शेयरखान के गौतम कालिया कहते हैं, ₹यह बोनस और प्रोत्साहन का मौसम है, इसलिए लोग उस पैसे से अपने ऋण का प्री-पे या पार्ट-प्री-पे कर सकते हैं।₹ वह कहते हैं कि अगर लोग इसके बजाय अपनी अवधि बढ़ाना चाहते हैं, तो हो सकता है कि उन्होंने जो उधार लिया है उस पर अधिक ब्याज का भुगतान कर रहे हों।

एक अन्य विकल्प हर साल एक अतिरिक्त ईएमआई का भुगतान करना है, इससे आपको ब्याज लागत बचाने में भी मदद मिलेगी जो आपको लगभग 17 वर्षों में 20 साल का ऋण चुकाने में मदद कर सकती है।

पूर्व करीब

हालांकि यह अपने घर का वित्तपोषण करने वाले अधिकांश उधारकर्ताओं के लिए एक लक्जरी नहीं है, जो बैंक में धन रखते हैं, उनके लिए पूर्व-बंद करने का विकल्प विचार करने योग्य हो सकता है। शेयर बाजारों के अस्थिर होने के साथ आपके पैसे का निवेश करने की अवसर लागत उतनी आकर्षक नहीं हो सकती है जितनी आपने उम्मीद की थी। इसलिए, प्री-क्लोज करें और पैसा, समय बचाएं और बेहतर मूल्य के लिए शिकार के तनाव को कम करें।

500 Note Update : आपके पास है ये 500 का नोट तो पढ़ लें सरकार का ये मैसेज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 दिसंबर , अक्सर लोग करेंसी को लेकर काफी भ्रम में आ जाते हैं जब मीडिया और सोशल मीडिया तरह तरह की अफवाह सामने आती है , बीते दिनों भी एक ऐसी ही खबर 500 की नोट के बारे में लोगों को सुनाई दी।सरकार के आधिकारिक फैक्ट चेकर पीआईबी फैक्ट चेक ने लोगों को सोशल मीडिया पर चल रही फेक न्यूज से सावधान किया. इसने एक ट्वीट में कहा कि आरबीआई के मुताबिक, गांधीजी के पास या आरबीआई के हस्ताक्षर के पास हरे रंग की पट्टी वाले सभी नोट मान्य हैं.

500 Note Update : सोशल मीडिया पर एक मैसेज काफी तेजी के साथ वायरल हो रहा है और इस मैसेज में दावा किया जा रहा है कि 500 रुपये के नोट नकली (Fake Rs 500 Note) हैं जिन पर आरबीआई गवर्नर (RBI Governor) के हस्ताक्षर के बजाय गांधीजी के पास हरी पट्टी है. हालांकि, यह एक झूठा दावा है क्योंकि RBI का कहना है कि दोनों प्रकार के करेंसी नोट वैध हैं. सरकार के आधिकारिक फैक्ट चेकर पीआईबी फैक्ट चेक (PIB Fact Check) ने लोगों को सोशल मीडिया पर चल रही फेक न्यूज से सावधान किया.

इसने एक ट्वीट में कहा कि आरबीआई (RBI) के मुताबिक, गांधीजी के पास या आरबीआई के हस्ताक्षर के पास हरे रंग की पट्टी वाले सभी नोट मान्य हैं... भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, महात्मा गांधी (नई) सीरीज में 500 रुपये के मूल्यवर्ग के नोटों पर भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के हस्ताक्षर होते हैं. नोट के पिछले हिस्से पर देश की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हुए "लाल किले" का चित्र भी है. जबकि नोट का बेस कलर स्टोन ग्रे है, इसमें अन्य डिजाइन और जियोमैट्रिक पैटर्न भी हैं, जो दोनों ओर और पीछे ओवरआल कलर स्कीम के साथ अलाइन हैं.

500 रुपये के नकली नोटों की पहचान कैसे करेंआरबीआई के अनुसार ऑरिजिनल 500 रुपये के नोटों की कुछ विशेषताएं निम्नलिखित हैं.

साइज : ऑरिजिनल 500 रुपये के नोट का ऑफिशियल साइज 66 मिमी x 150 मिमी है.विपरीत विशेषताएं मूल्यवर्ग अंक 500 के साथ रजिस्टर के माध्यम से देखें मूल्यवर्ग अंक 500 के साथ अव्यक्त छवि देवनागरी में मूल्यवर्ग अंक 500.केंद्र में महात्मा गांधी का चित्र.सूक्ष्म अक्षर 'भारत' और 'इंडिया'भारत' और 'RBI' शिलालेखों के साथ कलर शिफ्ट विंडो वाली सिक्योरिटी थ्रेट.

नोट को झुकाने पर धागे का रंग हरे से नीला हो जाता है.गारंटी क्लॉज, प्रॉमिस क्लॉज के साथ गवर्नर के हस्ताक्षर और महात्मा गांधी के चित्र के दाईं ओर RBI का प्रतीक.महात्मा गांधी का चित्र और इलेक्ट्रोटाइप (500) वॉटरमार्कऊपर बाईं ओर और नीचे दाईं ओर बढ़ते हुए फॉन्ट में अंकों वाला नंबर पैनलनीचे दाईं ओर रंग बदलने वाली स्याही (हरे से नीले) में रुपये के चिह्न (₹500) के साथ मूल्यवर्ग का अंकदाहिनी ओर अशोक स्तंभ का प्रतीक

नेत्रहीनों के लिए फीचर्स महात्मा गांधी चित्र की इंटैग्लियो या उभरी हुई छपाई (4) आशिका स्तंभ प्रतीक (11) माइक्रोटेक्स्ट के साथ परिपत्र पहचान चिह्न ₹500 दाईं ओर, बाईं और दाईं दोनों तरफ पांच कोणीय ब्लीड लाइनें.आपसे हमारी ये गुज़ारिश है कि इस तरह की भ्रामक खबरों की सत्यता प्रामाणिक प्लेटफॉर्म पर ज़रूर जांच लें जिससे आपको किसी तरह की समस्या का सामना बेवजह न करना पड़े

पौड़ी पुलिस का सुरक्षा चक्र, आपको साईबर क्राइम से बेफिक्र रखेगा : श्वेता चौबे

SSP श्वेता चौबे के निर्देशन में साईबर सैल पीड़ितों के खातों में लौटा रहा धनराशि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 11 दिसम्बर ,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल श्वेता चौबे द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु गठित साईबर सैल को जनपद में साईबर फ्रॉड सम्बन्धी किसी भी शिकायत पर त्वरित कार्यवाही* करने हेतु निर्देशित किया गया है। निर्गत निर्देशों के क्रम में विभव सैनी, पुलिस उपाधीक्षक ऑप्स के पर्यवेक्षण में साईबर सैल द्वारा तत्परता से कार्य करते हुए साईबर ठगी का शिकार हुए लोगों के खाते में धनराशि वापस कराए जाने एवं आम जनमानस को साईबर अपराध से सुरक्षा हेतु लगातार जागरूक करते हुए अभियान चलाया जा रहा है।

टॉवर लगाने के नाम पर झांसे में आए व्यक्ति से हड़पे रू0 1,27,600/- की धनराशि आयी पीड़ित के खाते में वापस

इसी कड़ी में एक आवेदक सुभाष सिंह रावत, निवासी विद्युत परीक्षण खण्ड श्रीनगर, वर्तमान पता हनुमान मन्दिर अपर बाजार श्रीनगर, जनपद पौडी गढ़वाल द्वारा एक शिकायती प्रार्थना पत्र साईबर सैल को दिया गया जिसमें अंकित किया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनकी जमीन पर टॉवर लगाने का झांसा देकर उनसे रु0 1,27,600/-की धनराशि की ऑनलाइन ठगी की गयी है।

साईबर सैल कोटद्वार द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये पीड़ित के खाते से हड़पी रु0 1,27,600/- की सम्पूर्ण धनराशि को पीड़ित के खाते में वापस कराया गया।

पौड़ी पुलिस कप्तान श्वेता चौबे की आम जनमानस से अपीलः-

◆ किसी अज्ञात व्यक्ति के कॉल और मैसेज से सावधान रहें।

◆ किसी को भी अपना Password, OTP, CVV शेयर ना करें।

◆ अंजान लिंक, ऑनलाइन जॉब्स आफर से सम्बन्धित लिंक पर क्लिक ना करें।

◆ अंजान QR Code स्कैन ना करें।

◆ जागरूक बनें एवं अन्य व्यक्तियों को भी जागरूक करें।

◆ यदि कोई भी व्यक्ति ठगी का शिकार होता है तो तत्काल नजदीकी थाना एवं साईबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें।

साइबर पुलिस टीमः-1. राजेन्द्र सिंह खोलिया (प्रभारी निरीक्षक साईबर सैल)2. उपनिरीक्षक श्री जयपाल सिंह चौहान3. आरक्षी 284 स0पु0 अरविन्द राय4. महिला आरक्षी 250 ना0पु0 विमला नेगी5. आरक्षी 210 ना0पु0 उत्तम सिंह

जूनियर छात्रों के बाल काटने का मामला

हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज के 44 छात्रों पर सवा 11 लाख का जुर्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी। मेडिकल कॉलेज में हुई रैगिंग के मामले में शामिल एमबीबीएस सेकेंड ईयर के 44 छात्रों पर सवा ग्यारह लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। कॉलेज प्रबंधन ने बताया कि रैगिंग के मुख्य आरोपी पर 50 हजार जबकि अन्य 43 विद्यार्थियों पर 25-25 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया है। सभी आरोपी छात्रों को एक हफ्ते के भीतर जुर्माना जमा करना होगा।

शुक्रवार रात एमबीबीएस सेकेंड ईयर के छात्रों ने जूनियर छात्र को वीडियो कॉल के जरिये अपशब्द कहे और उसकी रैगिंग की। इसकी जानकारी होने पर मेडिकल कॉलेज प्रबंधन हरकत में आया और आरोपी छात्रों पर अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना लगाया है। कॉलेज प्रबंधन के अनुसार एनएमसी ने रैगिंग प्रकरण में न्यूनतम जुर्माना राशि 25 हजार रुपये तय की है। इस तरह कुल जुर्माने की रकम 11.25 लाख रुपये होती है।

मेडिकल कॉलेज में नौ माह पहले मार्च में रैगिंग का मामला समाने आया था, जिसमें एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों के बाल काटे गए थे। छात्र सिर झुकाकर एक लाइन में चल रहे थे। इस मामले का वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसके बाद कॉलेज प्रशासन ने जांच कर कुछ छात्रों पर पांच-पांच हजार रुपये जुर्माना लगाया था।

कोतवाल हरेंद्र चौधरी का कहना है कि संबंधित मामले में छात्रों से बात की गई लेकिन उन्होंने कोई भी शिकायत नहीं की। इसके बाद इस मामले में एफआर लगा दी गई है। कहा कि इस मामले में कॉलेज प्रबंधन की ओर से छात्रों पर कार्रवाई की गई थी।

ये है दुनिया का सबसे महंगा अनानास, कीमत है 1 लाख रुपए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 दिसम्बर , अनानास विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट और मैंगनीज और पोटेशियम जैसे खनिजों का एक समृद्ध स्रोत है. खासकर सर्दियों के मौसम में यह सेहत के लिए एक बेहतरीन फल है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस फल की एक ऐसी किस्म भी है. जिसे खरीदना हर किसी के लिए मुमकिन नहीं है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, हेलिगन अनानास का नाम उस बगीचे के नाम पर रखा गया है, जहां कॉर्नवाल में उगाए जाते हैं, प्रत्येक की लागत लगभग 1,000 पाउंड स्टर्लिंग 1 लाख रुपये है. इसकी एक फसल तैयार होने में करीब दो से तीन साल का समय लगता है.

हाई-प्रोफाइल फल के मुताबिक, जल्द ही बागवानों को एहसास हो गया कि देश की जलवायु अनानास की खेती के लिए अच्छी नहीं है. इसलिए, विशेष लकड़ी के गड्ढे के आकार के बर्तनों को डिजाइन करके और इसे पोषण देने के लिए सड़ी

हुई खाद की ताजा आपूर्ति और एक बैकअप हीटर जोड़कर उन्होंने एक तरकीब निकाली. गर्मी हवा को गर्म करती है जो दीवार में झरोखों के माध्यम से गड्ढों में प्रवेश करती है. ₹अनानास उगाने के लिए एक बहुत ही श्रमसाध्य फल है. अनानास की देखभाल, खाद की परिवहन लागत, अनानास के गड्ढों के रख रखाव और अन्य छोटे टुकड़ों और टुकड़ों की देखभाल करने में लगने वाले समय के साथ, प्रत्येक अनानास खरीदने में शायद हमें 1,000 पाउंड से अधिक खर्च होगा.₹ प्रवक्ता ने आगे कहा, ₹अब जब हमने सही विक्टोरियन तकनीकों को सीख लिया है, तो यह हमारे बागवानों और आगंतुकों के लिए वास्तव में फायदेमंद प्रक्रिया है.₹हेलिगन वेबसाइट ने आगे कहा कि महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को विक्टोरियन ग्रीन हाउस में लगाया गया दूसरा अनानास उपहार में दिया गया था. उसने आगे कहा कि ये अनानास केव गार्डन से हेलिगन को उपहार में दिए गए पौधों और कैरेबियन से प्राप्त दुर्लभ व्यक्तियों का एक उदार मिश्रण हैं. उद्यान के अधिकारियों ने कहा कि अगर फल की नीलामी की जाती है, तो प्रत्येक अनानास की कीमत 10 लाख रुपये तक हो सकती है.

मंगलौर में बवाल, पथराव और फायरिंग में दो युवकों को गोली लगी, छह से ज्यादा घायल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुडकी, , 11 दिसम्बर । दो दिन पहले ग्राम पंचायत की खुली बैठक में हुई मामूली कहासुनी रविवार को खूनी संघर्ष में बदल गई। घोसीपूरा गांव में दो पक्षों में जमकर पथराव हुआ। दोनों ओर से फायरिंग हुई। इस दौरान गोली लगने से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मारपीट-पथराव में दोनों पक्षों के आधा दर्जन से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं।

गांव में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल के साथ पीएसी तैनात की गई है। घोसीपुरा गांव में दो दिन पूर्व ग्राम पंचायत की खुली बैठक में प्रधान शमशाद अली व हाकम पक्ष के बीच कहासुनी हो गई। बाद में दोनों पक्षों का समझौता भी हो गया लेकिन रविवार देर शाम दोनों पक्षों के बीच फिर कहासुनी हो गई।

देखते ही देखते लाठी-डंडे चलने लगे और पथराव शुरू हो गया। इसके बाद दोनों पक्षों की ओर से कई राउंड फायर किए गए। फायरिंग में अहसान व शाहरुख को गोली लग गई। अहसान को आंख के ऊपर गोली लगी है जबकि शाहरूचा के कमर में छर्रे लगे हैं।

इसके अलावा मारपीट में जमशेद अली, रियाजुल, हाकम अली, हारून शेर खान समेत आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सभी को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को काबू में करने का प्रयास किया। फिलहाल गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल के साथ-साथ पीएसी भी तैनात कर दी गई है। प्रधान जमशेद अली ने आरोप लगाया कि दूसरे पक्ष ने दर्जनों राउंड फायरिंग की। इसमें उनके पुत्र अहसान को गोली लगी है।

पढ़िए सिर्फ एक रात के लिए कहाँ होती है 'अरावन शादी'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 दिसंबर , हमारे देश दुनिया में रोचकता की कोई सीमा नहीं है। आदमी किसी भी जाति , धर्म , सम्प्रदाय और समुदाय का हो उसका जीवन हमेशा से एक कौतूहल का विषय बना रहा है। ऐसा ही एक वर्ग है किन्नरों का जिनके बारे में हम और आप शायद बहुत कम जानते हैं। किन्नरों की अपनी एक अलग ही दुनिया है। इनकी कई मान्यताएं और परंपराएं भी हैं, जिनके बारे में आम लोग कम ही जानते हैं। ये परंपराएं जितनी रहस्यमयी है, उतनी ही रोचक भी है। बहुत कम लोग जानते हैं कि किन्नरों की शादी भी होती है। सुनने में ये बात थोड़ी अजीब लग सकती है, लेकिन ये सच है। किन्नरों की शादी का समारोह बहुत ही भव्य और विशाल स्तर पर होता है। आज हम आपको किन्नरों की शादी से जुड़ी कुछ खास बातें बता रहे हैं, जो इस प्रकार है...

कैसे होती है किन्नरों की शादी ?

तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के कुनागम गांव में हर साल तमिल नए साल की पहली पूर्णिमा पर किन्नरों का विवाह समारोह आयोजित किया जाता है, जो 18 दिनों तक चलता है। इस दौरान यहां नाच-गाना आदि कई कार्यक्रम होते हैं। इस समारोह में भाग लेने के लिए देश भर के हजारों किन्नर यहां इकट्ठा होते हैं। विवाह समारोह के 17 वें दिन किन्नर दुल्हन के रूप में सजती-संवरती हैं और फिर अरावन भगवान के मंदिर जाती हैं। यहां पुजारी किन्नरों के गले में अरावन देव के नाम का मंगलसूत्र पहनाते हैं। इस तरह किन्नरों की शादी भगवान अरावन से हो जाती है।

सिर्फ एक रात के लिए होती है ये शादी

शादी के बाद किन्नर नाच-गाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं, लेकिन ये खुशी अगले ही दिन मातम में बदल जाती है। परंपरा के अनुसार, किन्नरों की शादी सिर्फ एक रात के लिए होती है। 18वें दिन अरावन देव की प्रतिमा को सिंहासन पर बैठाकर पूरे गांव में जुलूस निकाला जाता है। इसके बाद पंडित सांकेतिक रूप से अरावन देव का मस्तक काट देते हैं और सभी किन्नर विधवा हो जाती हैं। ऐसा होता है किन्नर अपनी चूड़ियां तोड़ देते हैं और विधवा का लिबास यानी सफेद साड़ी पहन लेते हैं। 19वें दिन किन्नर अपने मंगलसूत्र को अरावन देव को समर्पित कर देते हैं और नया मंगलसूत्र पहनते हैं।

कौन हैं अरावन देव ?

किन्नरों के आराध्य देव अरावन का इतिहास महाभारत से जुड़ा है। अरावन अर्जुन और नागकन्या उलूपी के पुत्र थे। महाभारत युद्ध शुरू होने से पहले पांडव मां काली की पूजा करते हैं। इस पूजा में एक राजकुमार की बलि देनी होती है। तब अरावन स्वयं आगे आते हैं और बलि के लिए राजी हो जाते हैं। लेकिन समस्या यहां खत्म नहीं होती, बलि के लिए तैयार राजकुमार का विवाहित होना भी जरूरी होता है। इस स्थिति में भगवान श्रीकृष्ण स्वयं मोहिनी रूप धारण कर अरावन से विवाह करते हैं। अगले दिन स्वयं अरावन अपना मस्तक काटकर देवी को चढ़ा देते हैं, ऐसा होते ही मोहिनी रूपी श्रीकृष्ण विधवा बनकर रोने लगते हैं। किन्नर ये मानते हैं कि श्रीकृष्ण ने पुरुष होकर भी औरत बनकर अरावन से विवाह किया। किन्नर भी आधी महिला और आधे पुरुष होते हैं, इसलिए वे भी अरावन को अपना पति मानकर उनसे शादी करते हैं।

संपादकीय

मोदी 'अपराजेय' नहीं

चुनावों का फिलहाल मौसम समाप्त हो चुका। गुजरात और हिमाचल समेत कुछ उपचुनावों के भी जनादेश सार्वजनिक हो चुके हैं। अब नई सरकारें बनेंगी, निर्वाचित सदस्य शपथ ग्रहण करेंगे। इस बार नतीजे अलग-अलग रहे हैं, लिहाजा समझा जा सकता है कि लोकतंत्र मजबूत और विविध साबित हुआ है। इनमें गुजरात का जनादेश सबसे महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि उसने एक लंबे शासन के प्रति जन-लहर को ही बेअसर किया है। भारत में फिलहाल यह विरला उदाहरण है। हालांकि गुजरात में मुसलमान भाजपा और मोदी-विरोधी रहे हैं। उसके बावजूद करीब 34 फीसदी मुसलमानों ने भाजपा के पक्ष में वोट दिए। सौराष्ट्र, कच्छ, दक्षिण गुजरात की आदिवासी पट्टी, दलितों, ग्रामीणों आदि ने भाजपा को वोट दिए, जबकि इन इलाकों में कांग्रेस का जनाधार रहा है। इस चुनाव से आम आदमी पार्टी (आप) ने भी सेंध लगाने की कोशिश की है और गुजरात में 12.8 फीसदी वोट लेकर 5 सीटें जीती हैं। राज्य के ब्राह्मण, बनिया, राजपूत आदि समुदाय तो परंपरागत रूप से भाजपा-समर्थक रहे हैं। गुजरात जनादेश ने स्पष्ट कर दिया कि महिलाओं और युवाओं के अधिकांश वोट भाजपा को मिले। हालांकि राज्य में करीब 40 लाख नौजवान पंजीकृत बेरोजग़ार बताए जाते हैं, महंगाई भी एक मुद्दा है, लेकिन लोगों ने व्यापक हितों के मद्देनजर जनादेश दिया। बेशक गुजरात का चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे, उनके क्षणों, अनथक मेहनत और गति, पार्टी काडर और गुजरात की अस्मिता पर ही तय हुआ। 1960 के बाद के तमाम कीर्तिमान ध्वस्त हो गए। भाजपा ने 85 फीसदी से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल की और 156 सीटों का अप्रत्याशित, अतुलनीय, अकल्पनीय जनादेश प्राप्त किया। भाजपा को करीब 1.70 करोड़ वोट मिले, जबकि 'आप' ने पहले ही चुनाव में करीब 41 लाख वोट पाए। कांग्रेस को मात्र 17 सीटें मिली और 2017 के जनादेश की तुलना में उसकी 60 सीटें और करीब 14 फीसदी वोट कम हो गए। वोट तभी संभव हो पाए, जब भाजपा के करीब 78 लाख कार्यकर्ता गुजरात के कोने-कोने में बिछे रहे। उनके अलावा, आरएसएस ने भी खूब काम किया। यह है भाजपा के चुनाव-प्रबंधन की एक बानगी! ऐसे प्रचंड जनादेश के बावजूद हमारा मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी भी 'अपराजेय' नहीं हैं। उन्हें पराजित किया जा सकता है। इन चुनावों में भी वह पराजित हुए हैं, क्योंकि उन्होंने हिमाचल में धुआंधार प्रचार किया था और वह खुद को 'हिमाचली बेटा' बताते रहे हैं। दिल्ली नगर निगम चुनाव में भी भाजपा ने प्रधानमंत्री के चेहरे का इस्तेमाल किया था, लेकिन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा ने चुनावी जीत-हार का अनुपात बहुत कम किया है। हिमाचल में मात्र 0.9 फीसदी वोट से भाजपा पिछड़ गई और कांग्रेस को सत्ता नसीब हुई। प्रधानमंत्री मोदी के जन-सैलाबी प्रचारों के बावजूद भाजपा ने पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ आदि कई राज्यों में विधानसभा चुनाव गंवाए हैं। बेशक बाद में सत्ता-समीकरण बदल गए। तमिलनाडु और केरल में आज भी भाजपा लगभग 'शून्य' है, हालांकि प्रधानमंत्री मोदी वहां प्रचार करते रहे हैं। ऐसी पराजयों के बावजूद मोदी राजनीति के 'राष्ट्रीय चेहरा' हैं और वह आम चुनाव को एकतरफा जीतते आए हैं, नतीजतन आज देश के प्रधानमंत्री हैं। उप्र और गुजरात के विराट जनादेशों ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनाव की बुनियाद तो तैयार कर ली है। 2023 में कर्नाटक, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना, कुछ पूर्वोत्तर राज्यों के चुनावी जनादेश 2024 की दशा-दिशा तय कर सकते हैं। इतना तय है कि प्रधानमंत्री के खिलाफ विपक्ष का संगठन और सियासत आज भी टुकड़े-टुकड़े है और 2024 के दौर तक भी छिन्न-भिन्न रहेगी। अब नई लड़ाई कांग्रेस और 'आप' के बीच छिड़ेगी कि विपक्ष का चेहरा कौन होना चाहिए।

अल्मोड़ा में खाई में गिरी कार, एक मौत लैंसडौन में बोलरो दुर्घटना में छह घायल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा/लैंसडौन। रविवार को उत्तराखंड के अल्मोड़ा और लैंसडौन में दो अलग-अलग हादसे हुए। अल्मोड़ा में हुए हादसे में एक की मौत हो गई। वहीं लैंसडौन में हुई दुर्घटना में छह लोग घायल हुए हैं।

अल्मोड़ा में हुए पहले हादसे में चौखुटिया-द्वाराहाट राष्ट्रीय राजमार्ग पर घूंगोली बसभीड़ा गांव के पास एक कार खाई में गिर गई। यह हादसा शनिवार की रात करीब 9:30 बजे हुआ, जिसमें कार चालक की मौत हो गई।

बताया गया है कि चालक पास के ही गांव से बारात छोड़कर वापस अपने घर जा रहा था कि इसी दौरान हादसा हो गया। घटना के वक्त कार चालक अकेला था। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत नौगांव अखोडिया के मिरई गांव निवासी 45 वर्षीय दिनेश दुर्गापाल पुत्र शंकर दुर्गापाल ग्वाली गांव से बारात छोड़कर वाहन आर्टिका कार संख्या यूके 04 टीबी 1919 से घर वापस जा रहा था। इस दौरान घुंगोली के गांव के पास एकाएक चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और कार सड़क से नीचे करीब 40 मीटर खेल मैदान में जा गिरी।

हादसे की खबर लगते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए तथा सूचना पर चौखुटिया पुलिस थाना अध्यक्ष दिनेश महंत भी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। चालक दिनेश को रेस्क्यू कर पुलिस वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौखुटिया ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद घर परिवार में कोहराम मचा है।

दुर्घटना में चालक समेत छह सवार घायल हो गए : कोटद्वार जिले के लैंसडौन में हुए दूसरे हादसे में नजीबाबाद-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुगड्डा-गुमखाल के मध्य देवीखाल के समीप बोलरो वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में चालक समेत छह सवार घायल हो गए। घायलों को बेस चिकित्सालय में लाकर भर्ती किया गया है।

बताया गया कि दिल्ली से सवारियां लेकर पाबौ की ओर जा रहा बोलरो वाहन रविवार सुबह करीब सात बजे देवीखाल के समीप खड्ड में गिर गया। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी प्रशासन को दी, जिसके बाद गुमखाल व दुगड्डा से पुलिस टीमें मौके पर पहुंच गईं।

दुर्घटना में घायलों में प्रखंड पाबौ के अंतर्गत ग्राम खोलीधार वाहन चालक सते सिंह, पंकज सिंह, करण सिंह, ग्राम चौरासी नौठा निवासी सुरेंद्र सिंह नेगी, उनकी पत्नी राजेश्वरी नेगी व सुरेंद्र सिंह शामिल हैं। गुमखाल चौकी प्रभारी मुकेश भट्ट ने वाहन चालक से मिली जानकारी के आधार पर बताया कि चालक सते सिंह दिल्ली से पाबौ के मध्य बोलरो चलाता है। बताया कि अन्य दिनों की भांति वह आज भी दिल्ली से सवारियां लेकर आ रहा था। इसी दौरान देवीखाल के निकट अचानक नींद की झपकी आने से वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

सरकार की पीआरडी जवानों को बड़ी सौगात, 30 प्रतिशत होंगी महिलाएं, मंत्री रेखा आर्य ने की घोषणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। सरकार ने पीआरडी जवानों को बड़ी सौगात दी है। अब पीआरडी में 30 प्रतिशत महिलाएं होंगी। प्रांतीय रक्षक दल के प्रांतीय मुख्यालय में पहली बार मनाए गए स्थापना दिवस कार्यक्रम में विभागीय मंत्री रेखा आर्य ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार मृतक आश्रितों को नौकरी और आर्थिक सहायता देगी, जबकि कॉरपस फंड को 50 लाख से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये किया जाएगा।

आयु 50 साल से बढ़ाकर 60 साल करने के साथ ही कोविडकाल में ड्यूटी करने वालों को छह हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वहीं, महिला पीआरडी जवानों को मातृत्व अवकाश दिया जाएगा। प्रांतीय रक्षक दल के प्रांतीय मुख्यालय में विभागीय मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि पीआरडी जवानों का मानदेय बढ़ाया जाएगा। कहा कि अगले स्थापना दिवस तक मृतक आश्रितों के लिए नौकरी की व्यवस्था कर दी जाएगी।

कहा कि पीआरडी जवानों को तीन सौ दिन का रोजगार मिलेगा। कैबिनेट में भी यह प्रस्ताव आ चुका है। 9,300 जवानों को आने वाले दिनों में यह रोजगार मिलेगा। विभागीय मंत्री ने कहा कि पीआरडी स्वयं सेवकों की अधिवर्षता आयु पर सहमति बन चुकी है। जल्द इस पर उचित निर्णय ले लिया जाएगा। महिला पीआरडी जवानों की संख्या 9,300 में से मात्र 600 है, जो बहुत कम है। सरकार ने महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण दिया है। आने वाले समय में पीआरडी में कम से कम 30 प्रतिशत महिलाएं होंगी।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

पिटकुल में प्रमोशन के लिए परीक्षार्थी बने अफसर, सम्पन्न हुई परीक्षा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 दिसम्बर, पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि० में विभागीय कार्मिकों हेतु व्यवसायिक परीक्षा भाग एक एवं सहायक लेखाकार के पद पर पदोन्नति हेतु विभागीय परीक्षा सम्पन्न कराई गयी।पावर ट्रासमिशन कॉरपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि० द्वारा अपने कार्मिकों के कैरियर ग्रोथ एवं हित को ध्यान में रखते हुये तथा कार्मिकों को अपने कार्य क्षेत्र में निरंतर अग्रसर होने हेतु राजा राममोहन रॉय एकेडमी सहारनपुर रोड, देहरादून में अभियन्ता कार्मिकों हेतु व्यवसायिक परीक्षा भाग एक एवं साक्षात्कार आयोजित किया गया।

इसके साथ ही लिपिकीय एवं लेखा कार्मिकों के कैरियर ग्रोथ को दृष्टिगत रखते हुये सहायक लेखाकार के रिक्त पदों पर पदोन्नति हेतु विभागीय लिखित परीक्षा आयोजित की गयी।व्यवसायिक परीक्षा में सहायक अभियन्ता (विद्युत एवं यात्रिकी) एवं (जानपद) संवर्ग के कुल 111 कार्मिक परीक्षा में उपस्थित हुये तथा इसी प्रकार सहायक लेखाकार के पद हेतु आयोजित विभागीय लिखित परीक्षा ने कुल 10 कार्मिक उपस्थित हुये।

इस अवसर पर प्रबंध निदेशक पी०सी० ध्यानी द्वारा स्वयं परीक्षा केन्द्र पर आकर निरीक्षण किया गया तथा सभी कार्मिकों का मनोबल बढाते हुये परीक्षा हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की गयी तथा परीक्षा केन्द्र में स्वयं उपस्थित रहे।इस अवसर पर विनोद कुमार पाण्डे सेवानिवृत्त मुख्य अभियन्ता , कमल कान्त मुख्य अभियन्ता , अशोक कुमार जुयाल महाप्रबन्धक (मा०स०), श्री ईला चन्द्र मुख्य अभियन्ता, अनुपम सिंह , मुख्य अभियन्ता अनुपम शर्मा, मुख्य अभियन्ता, शालू जैन उपमहाप्रबंधक (वित्त) सन्तोष कुमार, अधीक्षण अभियन्ता, एस०पी० आर्य, अधीक्षण अभियन्ता, नीरज पाठक, अधीक्षण अभियन्ता, विवेकानन्द, उपमुख्य कार्मिक अधिकारी, जगवीर सिंह, अधिशासी अभियन्ता, नवनीत पोखरियाल अधिशासी अभियन्ता, सतेन्द्र रावत अधिशासी अभियन्ता, अजय शर्मा, लेखाधिकारी, तरुण सिंघल, लेखाधिकारी, श्री सी० डी ० एस० बिष्ट कार्यालय अधीक्षक , कमल सिंह नेगी , कार्यालय अधीक्षक प्रथम , दीपारानी रावत राणा, कार्यालय , विपिन कुमार पाल, कार्यालय अधीक्षक- प्रथम, राजेश कुमार , अवर अभियन्ता, अजय रावत, अवर अभियन्ता, पंकज लिखवार अवर अभियन्ता मोहित गुसाई डाटा एन्ट्री ऑपरेटर आदि उपस्थित रहे।

जनता में विश्वास, भयमुक्त समाज की स्थापना

पुलिस की प्राथमिकता : डीआईजी गढ़वाल

डी आई ज़ी गढवाल रेंज ने हरिद्वार पुलिस अधिकारियों के साथ पुलिस कार्यालय रोशनाबाद के सभागार मे आयोजित की गयी सर्किलवार अपराध समीक्षा बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार, 11 दिसंबर , पुलिस उपमहानिरीक्षक गढवाल परिक्षेत्र करन सिह नगन्याल द्वारा जनपद हरिद्वार के समस्त राजपत्रित पुलिस अधि0/समस्त थानाध्यक्षो के साथ पुलिस कार्यालय रोशनाबाद के सभागार मे जनपद की सर्किलबार अपराध समीक्षा बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा निदेश देते हुए बैठक में समस्त पुलिस अधिकारी को अवगत कराया गया कि अपराध होने से पहले ही रोकने पर काम करें। आदतन अपराधियों की कुंड़ली खंगालते हुए उनके विरुद् गुण्ड़ा, गैंगेस्टर की कार्यवाही में तेजी लायी जाये। 1 साल एवं 2 साल से लंबित पड़े संगीन अपराधों (एसआर केस) की समीक्षा कर लंबित पड़ी विवेचना पर डीआईजी द्वारा कड़ी आपत्ति दर्ज करते हुए कहा गया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस की कार्यवाही स्पष्ट होनी चाहिए तथा अपराधियों में पुलिस का भय होना बहुत जरुरी है। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जो भी अभियान PHQ/DIG कार्यालय स्तर से चलाये जा रहे है उन सभी पर क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारी अपने क्षेत्रों में कार्य करते हुए अपराधियों के विरुद्ध शत-प्रतिशत कड़ी कार्यवाही करते हुए अभियान को सार्थक बनाएं। केवल नाम मात्र की कार्यवाही से काम नहीं चलेगा। अपने अधिनस्थों को भी मोटिवेटेड करें तथा उन्हे अलग अलग जिम्मेदारी देते हुए सभी लोग आपस में समन्वय स्थापित कर अच्छी पुलिसिंग पर फोकस करें।

जनपद में जितने भी एसआर केस लम्बित चल रहे है उन्हें प्रत्येक क्षेत्राधिकारी प्रत्येक सप्ताह पर्यवेक्षण कर विवेचकों का उचित मार्गदर्शन कर लापरवाह विवेचक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। अपराधी को सजा दिलवाना पुलिस का काम है हमें भयमुक्त समाज बनाना है। जनपद में जितने भी इनामी एंव वाँछित अभियुक्त हैं उनपर थाना क्षेत्रों में अलग अलग पुलिस टीम गठित कर शत प्रतिशत कार्यवाही अमल में लायी जाय।सभी क्षेत्राधिकारी अपने –अपने सर्किलों में सप्ताह में 01 बार अधिनस्त कर्मचारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए स्थानीय लोगों की सीएलजी मीटिंग, वरिष्ठ नागरिकों की मीटिंग, जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेंगें एवं अधीनस्थों से भी उनकी समस्याओं एंव क्षेत्र में हो रहे अपराध की समीक्षा करते हुए उनका उचित मार्गदर्शन करेंगे साथ ही उनके द्वारा कैसी पुलिसिंग की जा रही है तथा क्या-क्या सुधार किए जाने हैं उस संबंध में उनको ब्रीफ भी किया जाए।

अपराध समीक्षा बैठक के अवसर पर एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह, पुलिस अधीक्षक नगर स्वतंत्र कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक देहात स्वप्न किशोर सिंह, प्रभारी पुलिस अधीक्षक अपराध रेखा यादव, क्षेत्राधिकारी लक्सर विवेक कुमार, क्षेत्राधिकारी ज्वालापुर निहारिका सेमवाल, क्षेत्राधिकारी सदर बहादुर सिंह चौहान, क्षेत्राधिकारी मंगलौर पंकज गैरोला, क्षेत्राधिकारी बुग्गावाला मनोज रावत, क्षेत्राधिकारी श्यामपुर हेमेंद्र नेगी एवं समस्त प्रभारी निरीक्षक व थानाध्यक्ष उपस्थित रहे।